श्री भक्तामर पाठ | By Rohit Chaturvedi & Alka Negi

श्री भक्तामर का पाठ करो नित प्रात भक्ति मन लाये।।
सब संकट जाए न शाई सब संकट जाए न शाई।।

जो ज्ञान मान मतवारे थे मुनि मानतुंग से हारे थे
चतुराई से उन ने मृपत लिया बहकाई
सब संकट जाए न शाई सब संकट जाए न शाई
श्री भक्तामर का पाठ करो नित प्रात भक्ति मन लाये।।
सब संकट जाए न शाई सब संकट जाए न शाई।।

मुनि जी को नृपत बुलाया था सर निकजा हुकुम सुनाया था
मुनि वीत राग को आज्ञा नहीं सुहाई
सब संकट जाए न शाई सब संकट जाए न शाई
श्री भक्तामर का पाठ करो नित प्रात भक्ति मन लाये।।
सब संकट जाए न शाई सब संकट जाए न शाई।।

उपसर्ग घोर तब आया था बलपूर्वक पकड़ मंगाया था
हथकड़ी बेड़ियों से तन दिया बंधाई
सब संकट जाए न शाई सब संकट जाए न शाई
श्री भक्तामर का पाठ करो नित प्रात भक्ति मन लाये।।
सब संकट जाए न शाई सब संकट जाए न शाई।।

मुनि कारागृह भिजवाए थे अड़तालीस ताले लगाए थे
क्रोधित नित बाहर पहरा दिया बिठाई
सब संकट जाए न शाई सब संकट जाए न शाई
श्री भक्तामर का पाठ करो नित प्रात भक्ति मन लाये।।
सब संकट जाए न शाई सब संकट जाए न शाई।।

मुनि शांतिभाव अपनाया था श्री आदिनाथ को ध्याया था
घोर ध्यान मग्न भक्तामर दिया बनाई
सब संकट जाए न शाई सब संकट जाए न शाइ
श्री भक्तामर का पाठ करो नित प्रात भक्ति मन लाये।।
सब संकट जाए न शाई सब संकट जाए न शाई।।

सब बंधन टूट गए मुनि के ताले सब स्वयं खुले उनके
कारागृह से आ बहार दिए दिखाई
सब संकट जाए न शाई सब संकट जाए न शाई
श्री भक्तामर का पाठ करो नित प्रात भक्ति मन लाये।।
सब संकट जाए न शाई सब संकट जाए न शाई।।

राजा नत होकर आया था अपराध शमा करवाया था
मुनि के चरणों में अनुपम भक्ति दिखाई
सब संकट जाए न शाई सब संकट जाए न शाई
श्री भक्तामर का पाठ करो नित प्रात भक्ति मन लाये।।
सब संकट जाए न शाई सब संकट जाए न शाई।।

जो पाठ भक्ति से करता है नित निशभ चरणचित धरता है
जो विधि मंत्र का विधिवत जाप कराये
सब संकट जाए न शाई सब संकट जाए न शाई

श्री भक्तामर का पाठ करो नित प्रात भक्ति मन लाये।।
सब संकट जाए न शाई सब संकट जाए न शाई।।

भय विघ्न उपद्रव टलते हैं विपदा के दिवस बदलते है
सब मनवांछित हो पूर्ण शांति पायी
सब संकट जाए न शाई सब संकट जाए न शाई
श्री भक्तामर का पाठ करो नित प्रात भक्ति मन लाये।।
सब संकट जाए न शाई सब संकट जाए न शाई।।

जो वीत राग आराधन है आकम उन्नति का साधन है
उस से प्राणी का भाव बंधन कट जाए
सब संकट जाए न शाई सब संकट जाए न शाई
श्री भक्तामर का पाठ करो नित प्रात भक्ति मन लाये।।
सब संकट जाए न शाई सब संकट जाए न शाई।।

कौशल सुभक्ति को पहचानो संसार दृष्टि बंधन जानो
लो भक्तामर से एटीएम ज्योति प्रकटाई
सब संकट जाए न शाई सब संकट जाए न शाई
श्री भक्तामर का पाठ करो नित प्रात भक्ति मन लाये।।
सब संकट जाए न शाई सब संकट जाए न शाई।।

श्री भक्तामर का पाठ करो नित प्रात भक्ति मन लाये।।
सब संकट जाए न शाई सब संकट जाए न शाई।।

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%b0%e0%a5%80-%e0%a4%ad%e0%a4%95%e0%a5%8d%e0%a4%a4%e0%a4%be%e0%a4%ae%e0%a4%b0-%e0%a4%aa%e0%a4%be%e0%a4%a0-by-rohit-chaturvedi-alka-negi/